**भारत सरकार**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

**उच्‍चतर शिक्षा विभाग**

**राज्‍य सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्याः 291**

**उत्तर देने की तारीखः 22.03.2018**

**एक भारत, श्रेष्ठ भारत**

**\*291. श्री ओम प्रकाश माथुरः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने राज्यों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और देश की सांस्कृतिक परंपरा एवं राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’ नामक अभियान की शुरूआत की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त अभियान का कार्य अपेक्षानुसार और सफलतापूर्वक चल रहा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्री प्रकाश जावडेकर)**

(क) से (घ): विवरण सभापटल पर रख दिया गया है।

**एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संबंध में माननीय संसद सदस्‍य श्री ओम प्रकाश माथुर द्वारा दिनांक 22.03.2018 को राज्‍य सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्‍न सं. 291 के भाग (क) से (घ) के उत्‍तर में उल्लिखित विवरण**

(क) से (ग): जी, हां। भारत सरकार द्वारा राज्‍यों, संघ राज्‍य क्षेत्रों, केन्‍द्रीय मंत्रालयों, शैक्षणिक संस्‍थाओं और आम जनता के माध्‍यम से भाषायी, साक्षरता, सांस्‍कृतिक, खेल, पर्यटन और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान के अन्‍य रूपों में सहसमन्‍वित पारस्‍परिक कार्य प्रक्रिया द्वारा राष्‍ट्रीय एकता के पोषण हेतु 2 अक्‍तूबर, 2016 को एक भारत श्रेष्‍ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम आरंभ किया गया था। इसने पूरे देश भर में उल्‍लेखनीय प्रगति की है।

35 राज्‍यों/संघ राज्‍य क्षेत्रों ने विविध गतिविधियों में परस्‍पर इंटरएक्‍शन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्‍ताक्षर किए हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अतिरिक्‍त प्रमुख केन्‍द्रीय मंत्रालयों/विभागों अर्थात सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, संस्‍कृति मंत्रालय, रेल मंत्रालय, खेल विभाग और युवा कार्यक्रम विभाग के अलावा राज्‍यों/संघ राज्‍य क्षेत्रों ने कार्यक्रम के अंतर्गत मध्‍य अक्‍तूबर, 2017 से दिसंबर, 2018 तक मासिक गतिविधि कैलेंडर तैयार किए हैं। जिन्‍हें 270 पेज के दस्‍तावेज में समेकित किया गया है। कई राज्‍य, संघ राज्‍य क्षेत्र और शैक्षिक संस्‍थाएं अपने पेअर्ड राज्‍यों/संघ राज्‍य क्षेत्रों से संबंधित एकता के एकीकृत विषय-वस्‍तु के साथ कार्यक्रम के तहत विभिन्‍न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। जिनमें प्रतिभागी राज्‍यों द्वारा भाषा और अन्‍य सांस्‍कृतिक पहलुओं को सीखा जाता है भागीदारों राज्‍य द्वारा आत्‍मसात किया जाता है। एनसीईआरटी द्वारा सभी राज्‍यों/संघ राज्‍य क्षेत्रों की संस्‍कृतियों, भाषाओं, परंपराओं, उत्‍सवों इत्‍यादि का “भारत: सांस्‍कृतिक विविधता में एकता” नामक संग्रह तैयार किया गया है। ईबीएसबी के लिए एक प्रतीक चिन्‍ह भी तैयार किया गया है।

अक्‍टूबर-नवंबर, 2017 की अवधि के दौरान देश में 4 केंद्रीय मंत्रालयों और 50 केंद्रीय शैक्षिक संस्‍थाओं के युवाओं के अतिरिक्‍त 15 राज्‍यों और संघ राज्‍य क्षेत्रों ने परस्‍पर गतिविधियों का एक सेट कार्यान्‍वित किया है। जनवरी, 2018 तक 30 राज्‍यों और संघ राज्‍य क्षेत्रों के लोगों के बीच आपसी मजबूत संपर्क को प्रदर्शित करते हुए एक दूसरे के साथ सक्रिय रूप से शामिल हुए। इस समग्र अवधि में 2 लाख से अधिक भागीदारों और दर्शकों को रंगीन ओर उपयोगी आदान प्रदान में सीधे और अप्रत्‍यक्ष रूप से शामिल किया गया। इस अवधि के दौरान 145 केंद्रीय शैक्षिक संस्‍थाओं के युवाओं ने व्‍यंजन उत्‍सवों, विद्यार्थी आदान प्रदान, साहित्‍यिक आयोजनों, पर्यटन आयोजनों इत्‍यादि के माध्‍यम से भागीदार राज्‍य मोड में सांस्‍कृतिक विविधता का आयोजन किया गया है। 10 विभिन्‍न स्‍थानों पर 2 राज्‍यों नामत: गुजरात और कर्नाटक में संस्‍कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्‍ट्रीय संस्‍कृति महोत्‍सव में 1,000 से अधिक कलाकारों, संगीतकारों, सेवा प्रदाताओं इत्‍यादि को रोजगार प्रदान करने के अतिरिक्‍त लाखों दर्शकों के समक्ष कई राज्‍यों की सांस्‍कृतिक प्रदर्शनी देखी गई।

आकाशवाणी केंद्रों और दूरदर्शन केंद्रों ने अक्‍तूबर, 2017 से आरंभ करते हुए कार्यक्रमों की श्रंखला के भाग के रूप में दिसंबर, 2017-जनवरी, 2018 में ‘एक भारत श्रेष्‍ठ भारत’ के संबंध में कई कार्यक्रमों का प्रसारण किया। फिल्‍म उत्‍सव निदेशालय ने मिजो, खासी, वांचो, गुजराती, मणिपुरी, नागमीज, उड़िया, कुरूख और तमिल सहित विभिन्‍न भाषाओं में विभिन्‍न स्‍थानों पर देशभर में एक भारत श्रेष्‍ठ भारत से संबंधित फिल्‍मों का प्रदर्शन किया। प्रकाशन विभाग ने सरदार वल्‍लभ भाई पटेल और दीनदयाल के संबंध में शीर्षकों सहित एक भारत श्रेष्‍ठ भारत के अंतर्गत विभिन्‍न भाषाओं में 16 चुनिंदा शीर्षकों का अनुवाद किया।

इस कार्यक्रम में भारत में रहने वाले विभिन्‍न संस्‍कृतियों के लोगों के बीच संबंधों की अनन्‍य और अप्रत्‍याशित प्रकृति का अवसर प्रदान किया गया है और इन कार्यक्रमों के दौरान विभिन्‍न पंरपराओं, प्रथाओं, भाषाओं इत्‍यादि के उल्‍लेखनीय अवरोध समाप्‍त किये गये हैं।

(घ): पेअर्ड राज्‍यों और संघ राज्‍य क्षेत्रों द्वारा की गई विभिन्‍न गतिविधियों का व्‍यापक राज्‍य-वार विवरण अनुबंध में दिया गया है।

\*\*\*\*\*

**अनुबंध**

**राज्‍यों और संघ राज्‍य क्षेत्रों द्वारा किए गए विभिन्‍न कार्यकलापों का ब्‍यौरा**

1) तमिलनाडु तथा जम्‍मू और कश्‍मीर:

जम्‍मू और कश्‍मीर स्‍थित नेहरू युवा केन्‍द्र के एक दल ने नवंबर, 2017 में युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत तमिलनाडु का दौरा किया। दिसंबर, 2017 में जम्‍मू में एक अंतर-राज्‍यीय युवा आदान-प्रदान किया गया था जिसमें तमिलनाडु ने भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजन में खेल-कूद संबंधी गतिविधियों या सांस्‍कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्‍य, सामूहिक चर्चा, ऐतिहासिक स्‍थानों का दौरा, तमिलनाडु के इतिहास परंपरा और संस्‍कृति की प्रस्‍तुती सामिल थी।

2) पंजाब और आंध्र प्रदेश

अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्‍वविद्यालय, हैदराबाद के छात्रों ने पंजाब की समृद्ध संस्‍कृति, भाषा, कला, विरासत, शिल्‍प और भोजन के बारे में स्‍थानों का भ्रमण किया। अंतर-राज्‍यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत, आंध्रप्रदेश के विभिन्‍न भगों से आए तीस युवकों ने जनवरी, 2018 में चंडीगढ़ का भ्रमण किया। दल ने चंडीगढ़ के विभिन्‍न पर्यटक स्‍थलों, आनंदपुर साहिब, अमृतसर में स्‍थित स्‍वर्ण मंदिर, जालियां वाला बाग संग्रहालय, वाघा बॉर्डर और सरदार भगत सिंह संग्रहालय का भ्रमण किया। चंडीगढ़ विश्‍वविद्यालय परिसर में तेलगु और पंजाबी भाषाओं की लोकोक्‍तियों के साथ पेअर्ड राज्‍यों की भाषा के इतिहास और सांस्‍कृतिक विरासत पर एक संवादात्‍मक सत्र और सांस्‍कृतिक संध्‍या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के दल द्वारा शास्‍त्रीय नृत्‍य कुचीपुड़ी, जनजातीय नृत्‍य धिमसा और रिपल्‍ली दल द्वारा लोक नृतय प्रस्‍तुत किए गए। भांगड़ा नर्तकों और कुचीपुड़ी नर्तकों के शास्‍त्रीय गीतों के संयोजन पर एक भारत श्रेष्‍ठ भारत पर एक मिश्रित प्रस्‍तुति की गई।

3) केरल और हिमाचल प्रदेशः

दोनों राज्यों ने अक्तूबर, 2017 में केरल भवन और हिमाचल भवन में खाद्य उत्सवों का आयोजन किया जिसमें सहभागी राज्य का भोजन परोसा गया। ईएफएलयू हैदराबाद में केरल से आए विद्यार्थियों ने हिमाचल प्रदेश की संस्कृति से परिचित होने के लिए दिसंबर, 2017 में हिमाचल प्रदेश का दौरा किया।

4) उत्तराखंड और कर्नाटक:

उत्तराखंड के युवा दल ने सितंबर, 2017 में होने वाले मैसूर दशहरा उत्सव के दौरान कर्नाटक का भ्रमण किया और सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम के अधीन विभिन्न पर्यटक स्थलों का दौरा किया।

5) तेलंगाना और हरियाणा

अप्रैल, 2017 में हैदराबाद में आयोजित एक संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम में तेलंगाना के कलाकारों ने घूमर नृत्य और हरियाणा के कलाकारों ने बंजारा और लम्बाडा नृत्य किया। फरीदाबाद, हरियाणा में आयोजित सूरजकुंड मेला 2017 में विशेष तेलंगाना दिवस का आयोजन किया गया। तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति और नृत्य रूपों को प्रदर्शित करने के लिए चंडीगढ़ में तेलंगाना दिवस का आयोजन किया गयां तेलंगाना के सौ शब्दों, सौ मुहावरों और लोकोक्तियों की पहचान की गई और सीखने के लिए उनका अनुवाद हिंदी में किया गया। तेलुगु भाषा की प्रसिद्ध कविताओं का हिंदी अनुवाद किया गया। तेलंगाना सरकार ने 2 जून, 2017 को हैदराबाद में आयोजित तेलंगाना स्थापना दिवस में भाग लेने के लिए हरियाणा सरकार से पुलिस बटालियन की एक टुकड़ी एक सांस्कृतिक मण्डली को आमंत्रित किया। ईएफएलयू में पढ़ने वाले तेलंगाना के छात्रों ने चंडीगढ़ में 8 दिसंबर, 2017 को आयोजित 31वें वार्षिक गुलदाऊदी प्रदर्शनी में भाग लिया। जनवरी 2018 में सोनीपत में हरियाणा और तेलंगाना के बीच खेल प्रतिस्‍पर्धा का आयोजन किया गया। हरियाणा एनएसएस प्रकोष्‍ठ ने अक्‍तूबर, 2017 में हिसार में राष्‍ट्रीय एकीकरण कैंप का आयोजन किया। इसमें तेलंगाना सरकार को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। तेलंगाना के कलाकारों ने नवंबर 2017 में हिसार में ‘स्‍वर्ण जयंती और खेल महाकुंभ के समापन समारोह में तथा कुरूक्षेत्र में आयोजित अंतर्राष्‍ट्रीय गीता जयंती महोत्‍सव में सांस्‍कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया।

6) राजस्‍थान और असम

सितंबर, 2017 में राजस्‍थान राज्‍य अतिथि गृह, नई दिल्‍ली और असम भवन, नई दिल्‍ली में क्रमश: राजस्‍थान और असम द्वारा खाद्य उत्‍सव आयोजित किए गए। राजस्‍थानी और असमियां कलाकारों ने 4 नवंबर, 2017 को जयपुर से “कला यात्रा” शुरू की जिसमें आठ राज्‍यों को कवर करना था। दोनो राज्‍यों के तीस कलाकार पूरी यात्रा के दौरान उपस्‍थित थे। लगभग छह हजार छात्र/कलाकार/अकादमिक/पेशेवर विभिन्‍न राज्‍यों में आयोजित संवादात्‍मक सत्र, कार्यशाला, प्रतिस्‍पर्धा में शामिल थे। एक लाख से अधिक लोगों ने भ्रमण करने वाले राज्‍यों में ‘एक भारत श्रेष्‍ठ भारत (ईबीएसबी)’ कला यात्रा देखी। असम सरकार ने जनवरी, 2018 में राजस्‍थानी संस्‍कृति और साहित्‍य पर एक संगोष्‍ठी का आयोजन किया।

7) गुजरात और छत्‍तीसगढ़

गुजरात सरकार ने नवंबर, 2017 में राज्‍य स्‍थापना दिवस ‘‘राज्‍योंत्‍सव” का आयोजन किया, जिसमें गुजरात ने हिस्‍सा लिया। कार्यक्रम में गुजरात पयर्टन द्वारा 3डी प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें गुजरात की सांस्‍कृतिक समृद्धि प्रदर्शित की गई, शिल्‍पग्राम’’ स्‍टाल लगाया गया जिसमें हस्‍त-निर्मित वस्‍तुओं और गुजराती भोजन का फूड कोर्ट प्रदर्शित किया गया। दिसंबर, 2017 में जगदलपुर, बस्‍तर जिला, छत्‍तीसगढ़ में 18वें युवा उत्‍सव का आयोजन किया गया जिसमें गुजरात के तीन दलों ने भाग लिया। गुजरात सरकार ने जनवरी, 2018 में साबरमती नदी के अग्र भाग, अहमदाबाद और गुजरात के चौदह अन्‍य स्‍थानों पर ‘‘अंतर्राष्‍ट्रीय पतंग उत्‍सव 2018 का आयोजन किया जिसमें छत्‍तीसगढ़ ने भाग लिया। गुजरात राज्‍य ने अपने सहभागी राज्‍य छत्‍तीसगढ़ के साथ गणतंत्र दिवस 2018 का आयोजन किया। छत्‍तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने जनवरी, 2018 में एक साईकिल सफारी का आयोजन किया जिसमें गुजरात ने भाग लिया। मई, 2017 में आनंद, गुजरात में कृषि महोत्‍सव का आयोजन किया गया जिसमें छत्‍तीसगढ़ के अनेक किसानों ने हिस्‍सा लिया। दोनों राज्‍यों ने गुल्‍ली डंडा उत्‍सव में हिस्‍सा लिया।

8) महाराष्‍ट्र और ओडिशा

ईएफएलयू, हैदराबाद में उड़ीसा राज्‍य से आने वाले छात्रों ने महाराष्‍ट्र के मूल्‍यों, संस्‍कृतियों, परंपराओं और दृष्‍टिकोण का अनुभव करने के लिए महाराष्‍ट्र का भ्रमण किया।

9) झारखंड और गोवा

झारखंड के लिए ईबीएसबी योजना के अंतर्गत शुरू किए गए कार्यकलापों में 31 अक्‍तूबर, 2017 को दिल्‍ली में गोवा सदन में “झारखंड योजना महोत्‍सव” का आयोजन, 31 अक्‍तूबर, 2017 को गोवा में प्रश्‍नोत्‍तरी प्रतियोगिता, 30 अक्‍तूबर, 2017 से 6 नवंबर, 2017 तक नेत्रहट में झारखंड और गोवा के एनसीसी तथा एनएसएस केडेट के साथ एडवेंचर और ट्रैकिंग शिविर, गोवा के 22 कलाकारों द्वारा 15 नवंबर, 2017 को “झारखंड स्‍थापना दिवस समारोह” के अवसर पर प्रस्‍तुत गोवा के लोक नृत्‍य “समय” पर कार्यक्रम, गोवा के नृत्‍य अनुदेशकों द्वारा झारखंड के कलाकारों का 17 से 26 नवंबर, 2017 तक लोक नृत्‍य समय (लैंप डांस) पर प्रशिक्षण, 18 दिसंबर, 2017 से 2 जनवरी, 2018 तक गोवा के कलाकारों को “सराईकेला छाउ नृत्‍य” पर प्रशिक्षण, 1 से 21 जनवरी, 2018 तक “लोकोत्‍सव” गोवा में झारखंड के कलाकारों द्वारा गोवा का “दीप नृत्‍य” गोवा में 11 से 21 जनवरी, 2018 तक गोवा में आयोजित “लोकोत्‍सव” कार्यक्रम में झारखंड के शिल्‍प और भोजन के स्‍टाल लगाना और झारखंड के लोक नृत्‍य “नागपुरी” और “करसा” का प्रदर्शन तथा गोवा में 25 जनवरी, 2018 से 3 फरवरी, 2018 तक झारखंड व्‍यंजन के संबंध में एक कार्यशाला जिसमें गोवा की 20 महिलाओं को झारखंड के व्‍यंजन बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्‍त, झारखंड के सभी प्राथमिक और माध्‍यमिक स्‍कूलों को वर्णमाला, 100 वाक्‍य, कोंकणी भाषा की 20 उक्‍तियां और गोवा के बारे में अन्‍य जानकारी प्रदान की गई है। झारखंड के प्रत्‍येक प्राथमिक और माध्‍यमिक स्‍कूलों में फरवरी,2018 से प्रत्‍येक कार्य दिवस में एक विशेष कक्षा आयोजित की जा रही है। झारखंड के साहित्‍य से संबंधित वृत्‍तचित्र, संस्‍कृति और लोक संगीत को तैयार किया गया और गोवा दूरदर्शन को भेज दिया गया। गोवा दूरदर्शन के द्वारा इनका प्रसारण किया जाता है। कोंकणी वर्णमाला, सौ वाक्‍य, और बीस उक्‍तियों वाली अधिगम सामग्री कोंकणी भाषा को लाकेप्रिय बनाने के लिए झारखंड के सभी प्राथमिक और माध्‍यमिक स्‍कूलों में वितरित की गयी थी और इसके लिए विेशेष कक्षांए आयोजित की गयी थी ताकि झारखंड के विद्यार्थी कोंकणी का ज्ञान प्राप्‍त कर सकें।इसकेअतिरिक्‍त, फरवरी, 2018 से झारखंड के सभी प्राथमिक और माध्‍यमिक स्‍कूलों में प्रत्‍येक कार्य दिवस में गोवा में इतिहास, भूगोल, सामाजिक विज्ञान, स्‍वास्‍थ्‍य, महिला एवं बाल कल्‍याण, जनजातीय कल्‍याण, रोडवेज, रेलवे, नागरिक उड्डयन, पर्यटन, सांस्‍कतिक कार्यकलाप, खेल, कृषि, व्‍यापार इत्‍यादि से संबंधित विशेष कक्षाएं आयोजित की जा रही है ताकि छात्र गोवा की जानकारी से स्‍वयं को परिचित करा सकें। झारखंड के विभिन्‍न विषयों जैसे साहित्‍य, संस्‍कृति, लोक संगीत नेतरहट (पर्यटन स्‍थान), आईएसएम धनबाद (आईआईटी) के साथ ही भोजन के बारे में दूरदर्शन झारखंड द्वारा पच्‍चीस मिनट का वृत्‍तचित्र तैयार किया गया है और इसे नवंबर, 2017 से फरवरी, 2018 तक प्रसारण के लिए गोवा भेजा गया है और इसे गोवा दूरदर्शन पर प्रसारित किया जा रहा है। आकाशवाणी रांची, झारखंड ने समय-समय पर चर्चा, भेंट,वार्ता, भौगोलिक स्‍थिति को चित्रित करना, पर्यावरण, प्रकृति, सुंदरता, संस्‍कृति, इतिहास भोजन एवं पर्यटन से संबंधित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए थे। मुंदरी और नागपुरी आदि भाषाओं में स्‍थानीय लोकप्रिय गीतों की सीडी प्रसारण के लिए गोवा आकाशवाणी को भेजी गई थी ताकि गोवा के लोग झारखंड के गीतों के बारे में जान सके।

10) दिल्ली और सिक्‍किम

राष्‍ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्‍ली सरकार ने दिसंबर, 2017 में सिक्‍किम की सांस्‍कृतिक, पारंपरिक भौगोलिक और ज्ञान निर्माण कार्यकलाप के समूह को कवर करके समारोह की श्रंखला का आयोजन किया था। अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्‍वविद्यालय, हैदराबाद के छात्रों ने संस्‍कृति, भोजन और पर्यटन गंतव्‍यों को जानने के लिए दिसंबर, 2017 में सिक्‍किम का दौरा किया था। सिक्‍किम के एक नृत्‍य समूह ने नवंबर, 2017 को दिल्‍ली के अदिति महाविद्यालय में पूर्वोत्‍तर सांस्‍कृतिक उत्‍सव में भाग लिया। जनवरी, 2018 में सिक्‍किम सरकार के साथ सहभागिता में अदिति महाविद्यालय में दिल्‍ली-सिक्‍किम सहभागिता के संदर्भ में एक सांस्‍कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। सिक्‍किम के छात्रों की ओर से लेपचा, भूटिया और नेपाली नृत्‍य का सांस्‍कृतिक आदान प्रदान किया गया था। दिल्‍ली के छात्रों ने भी हरियाणवी लोकनृत्‍य और हिंदी और अंग्रेजी में स्‍वरचित कविता पाठ भी प्रस्‍तुत किया था। राष्‍ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्‍ली सरकार ने भी जनवरी, 2018 में सिक्‍किम के लोकनृत्‍यों से संबंधित सांस्‍कृतिक प्रस्‍तुतियों का आयोजन किया था।

11) मध्‍य प्रदेश और नगालैंड तथा मणिपुर

मध्‍य प्रदेश ने मध्‍य प्रदेश के समृद्ध सांस्‍कृतिक विरासत का प्रदर्शन करने के लिए दिसंबर, 2017 में नगालैंड के हार्नबिल उत्‍सव में भाग लेने के लिए एक सांस्‍कृतिक मंडली भेजी थी। इसने उत्‍सव में फूड कोर्ट और कला एवं शिल्‍प स्‍टाल भी लगाया था। मणिपुर के छात्रों के समूह ने दिसंबर, 2017 में भोपाल में बालरंग उत्‍सव में भाग लिया था। मणिपुर पर्यटन ने सितंबर, 2017 में मध्‍य प्रदेश भवन, नई दिल्‍ली में मणिपुर भोजन उत्‍सव का आयोजन किया था। पर्यटन विभाग, मध्‍य प्रदेश ने हाप्‍ता कांग्‍जीबंग में नवंबर, 2017 में मणिपुर संगई उत्‍सव के दौरान एमपी हैंडलूम और हस्‍तशिल्‍प स्‍टाल तथा एमपी फूड स्‍टाल की मेजबानी की थी। इस उत्‍सव में मध्‍य प्रदेश की ओर से एक सांस्‍कृतिक प्रस्‍तुति भी दी गई थी। मणिपुर सरकार ने मध्‍य प्रदेश के दल की मेजबानी की जिसने नवंबर, 2017 में पारंपरिक खेल मलखंब का प्रदर्शन किया। और मणिपुर सरकार, कला और संस्‍कृति विभाग के एक सांस्‍कृतिक दल ने जनवरी, 2018 में लोक रंग उत्‍सव में भाग लिया था।

12) उत्‍तर प्रदेश और अरूणाचल प्रदेश तथा मेघालय

उत्‍तर प्रदेश से छात्रों के तीन समूहों को शामिल करके ईएफएलयू, हैदराबाद के छात्रों के समूह ने वर्ष 2017 में ‘मेघालय का दौरा किया था। संस्‍कृति विभाग, उत्‍तर प्रदेश ने नवंबर, 2017 में बसर, अरूणाचल प्रदेश में ‘शारदोत्‍सव’ में ब्रज, मथुरा के लोकनृत्‍य कार्यक्रम का आयोजन किया था। उत्‍तर प्रदेश के युवकों ने दिसंबर, 2017 में शिलांग में अंतर्राज्‍य युवा आदान प्रदान कार्यक्रमों में भाग लिया था। अरूणाचल प्रदेश और मेघालय ने जनवरी, 2018 में उत्‍तर प्रदेश दिवस उत्‍सव और गणतंत्र दिवस परेड के दौरान प्रस्‍तुति दी थी। गणतंत्र दिवस 2018 के अवसर पर शिलांग में उत्‍तर प्रदेश के एक कलाकार द्वारा लोकनृत्‍य ‘धोबिया’’ की प्रस्‍तुति दी गई थी। कथक केंद्र संगीत नाटक अकादमी, उत्‍तर प्रदेश ने फरवरी, 2018 में अरूणाचल प्रदेश के स्‍थापना दिवस समारोह के दौरान इटानगर में प्रस्‍तुति दी। लोक संगीत, लोक नृत्‍य/विभिन्‍न राज्‍यों के गीत विशेषकर मेघालय और अरूणाचल प्रदेश के अनेक कार्यक्रमों का उत्‍तर प्रदेश स्‍थापना दिवस समारोह और जनवरी, 2018 में गणतंत्र दिवस के अवसर पर अयोध्‍या के दीपोत्‍सव में भी आयोजन किया गया था। अरूणाचल प्रदेश की पुलिस टुकड़ी ने लखनऊ में गणतंत्र दिवस परेड 2018 में भाग लिया था। मेघालय और अरूणाचल प्रदेश के युवाओं ने लखनऊ ने जनवरी और फरवरी, 2018 के दौरान अंतर-राजीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में भाग लिया। मेघालय सरकार ने जनवरी, 2018 में लखनऊ में ‘लखनऊ महोत्‍सव’ और गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने के लिए अपनी सांस्‍कृतिक मंडली को लखनऊ भेजा था। उत्‍तर प्रदेश की एक सांस्‍कृतिक मंडली ने जनवरी, 2018 में मेघालय का दौरा किया और शिलांग में गणतंत्र दिवस समरोह में भाग लिया तथा विभिन्‍न नृत्‍यों की प्रस्‍तुति दी।

13) दादरा और नगर हवेली तथा चंडीगढ़

चंडीगढ़ सरकार ने अक्‍तूबर, 2017 में दादरा और नगर हवेली का दौरा करने के लिए मीडिया व्‍यक्‍तियों के मीडिया दौर का आयोजन किया था। दादरा और नगर हवेली के कलाकारों ने नवंबर, 2017 में 9वें वार्षिक चंडीगढ़ राष्‍ट्रीय शिल्‍पकला मेले में प्रस्‍तुति दी। फरवरी, 2017 में चंडीगढ़ के छात्रों ने दादरा और नगर हवेली के ‘तरपा’ उत्‍सव में भाग लिया और दादरा और नगर हवेली के छात्रों ने चंडीगढ़ रोज फेस्‍टीवल में भाग लिया था। दादरा और नगर हवेली के छात्रों ने चंडीगढ़ कला अकादमी द्वारा आयोजित ललित कला कार्यशाला में अपनी कला और संस्‍कृति की प्रस्‍तुति दी। अप्रैल और अगस्‍त, 2017 में चंडीगढ़ तथा दादरा और नगर हवेली के बीच अंतर- राज्‍यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। इन दो राज्‍यों के बीच विभिन्‍न खेलों जैसे कराटे, फुटबाल, मलखंब, खो-खो, रस्‍साकसी और बैडमिंटन में विभिन्‍न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

14) दमन और दीव तथा पुद्दूचेरी

कला एवं संस्‍कृति विभागा, पुद्दुचेरी ने 19 सितंबर, 2017 को दमन के 57वें मुक्‍ति दिवस समारोह में भाग लिया। इन कार्यक्रमों में लोक नृत्‍य और युद्ध कला (मार्शल आर्ट)की प्रस्‍तुतियां शामिल थीं1 दमन और दीव के कलाकारों ने पर्यटन विभाग पुद्दुचेरी सरकार द्वारा जनवरी में पुद्दुचेरी में आयोजित किए गए जनवरी में पुद्दुचेरी में हैरिटेज टूर/वॉक में भाग लिया था। कला एवं संस्‍कृति विभाग, पुद्दुचेरी ने जून, 2017 में संघ राज्‍य क्षेत्र दमन और दीव को चुनिंदा तमिल साहित्‍य की प्रतियां भेजी थी।

\*\*\*\*\*\*